हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 पालुवास के तीन चाचा-भतीजों ने झटके 2...

12 समारोह में सभी कार्यकर्ता इलेक्ट्रिक वाहन...

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING — 2 Years GNM Pass
GNM — 3 Years 12th Any Stream — No Fees for S.C. Students
ANM — 2 Years 12th Any Stream — No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING — 4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933

हांसी रोड पर मौत का जाल: धंसे मेनहोल बना रहे राहगीरों को शिकार

बारिश के बाद बदहाल सड़कें, धंसे मेनहोल बन रहे दुर्घटनाओं की वजह

ये सीवर मेनहोल से कहीं पर तीन तो कहीं पर चार इंच तक सड़क से नीचे हैं जिसके कारण हादसे हो रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वैसे तो शहर की सड़कें ही चलनेलायक नहीं है। कहीं पर बारिश के पानी से रोड़ियां बिखरी है तो कहीं पर खड्डे बने हैं। इनके अलावा सड़कों के बीच में सीवर के मेनहोल सबसे बड़ा कारण बनते जा रहे है। हालांकि इन मेनहोल पर ढक्कन जरूर लगे हैं,लेकिन ये सीवर मेनहोल से कहीं पर तीन तो कहीं पर चार इंच तक सड़क से नीचे है। जिनकी वजह से आए दिन वाहन चालक उनमें गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है।

ज्यादातर हादसे रात के अंधेरे में ज्यादा हो रहे हैं क्योंकि वाहन चालक को सड़क में बना सीवर के मेनहोल का गड्डा दिखाई नहीं देता और एकदम पहिया उसमें गिर जाता है। वैसे तो शहर की सभी सड़कों पर इसी तरह की स्थिति बनी है,लेकिन हांसी रोड पर आईटीआई से लेकर हांसी गेट तक करीब आधा दर्जन सीवर के मेनहोल सड़क के बीच में है। जब उन मेनहोल को साफ किया जाता है तो ढक्कन के उपर रोड़ियों की पर्त को हटा दिया जाता है। जिससे सड़क पर कहीं पर तीन इंच तो कहीं पर चार इंच गहरा गड्डा बना है। इनके अलावा अप्रोच सड़कों पर तो इनकी संख्या ज्यादा बनी है। जिससे वहां पर वाहन चालक गुजरने में कतराते है। हांसी गेट से लेकर नया बाजार व दिनोद गेट इलाके में भी कई जगहों पर सीवर के मेनहोल हैं। जिनके ढक्कन सड़क से नीचे बने हुए हैं। कई जगहों पर पब्लिक हेल्थ विभाग ने इन जगहों पर तारकोल व रोड़ी तथा कई जगहों पर रोड़ी व सीमेंट लगाकर सड़क के बराबर कर दिया,लेकिन उसके बावजूद भी एकदम से पहिया गुजरने पर वाहन चालकों को परेशानी होती है।

भिवानी। सड़क के बीच सीवर के मेनहोल से निकलता पानी और सड़क के बीच में मेनहोल पर लगा ढक्कन का दृश्य।

पानी से निकली रोड़ियां

विगत में आई मानसून की बारिश की वजह से अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई थी। हालांकि पानी की निकासी तीन से चार घंटों में हुई,लेकिन उसके बाद वहां पर अनेक जगहों पर सड़क की रोड़ियां निकल आई। रोड़ियां निकलने की वजह से वहां पर गड्डे बन गए। जिन गड्डों में आए दिन वाहन चालक गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। खासकर इन गड्डों में दोपहिया वाहन चालक गिर कर चोटिल हो रहे है। चूंकि रोड़ियां निकलने की वजह से गड्डे दो से ढाई फुट दूरी तक बने है। जिनके चलते इनमें खासकर दोपहिया वाहन चालक गिर कर चोटिल होना लाजिमी है। वैसे तो दिनोद गेट से लेकर देवसर चुंगी तक की सड़क में सबसे ज्यादा गड्डे बने है,लेकिन बासिया भवन के पास सबसे बुरी स्थिति है। वहां पर ज्यादा गड्डे होने की वजह से आए दिन दोपहिया वाहन चालक गिर कर घायल हो रहे है।

कांहड़ा में करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

कांहड़ा में रविवार सुबह करंट लगने से किसान सत्यवीर नंबरदार की भैंस की मौत हो गई। सूचना मिलने पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर संबंधित लाइन की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार किसान सत्यवीर ने सुबह अपनी भैंस को खोल दिया था। भैंस गांव की व्यायामशाला के पास घास चर रही थी। वहां दीवार के साथ नाले का पानी जमा था और समीप ही बिजली का खंभा लगा हुआ था। बताया जा रहा है कि खंभे से जुड़ा बिजली का तार टूटा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि टूटे तार के कारण पानी में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और संबंधित लाइन की बिजली आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने घटना पर चिंता जताते हुए बिजली व्यवस्था की नियमित जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि खुले या टूटे बिजली के तार लोगों और पशुओं के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार 37 वर्षीय युवक की मौत

तोशाम। बीती रात गांव खानक में एक सड़क हादसे में सीपर निवासी युवक प्रवीण की मौत हो गई। 37 वर्षीय प्रवीण मोटरसाइकिल पर सवार होकर पिंजोखरा से गांव आ रहा था और सामने से हाइवा ट्रक की टक्कर से हादसा हो गया। पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। गांव सीपर निवासी सुखविंदर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि वे रात को करीबन साढ़े 12 बजे पिंजोखरा से अपने गांव आ रहे थे। उन्होंने बताया कि वह अपनी गाड़ी में था और भाई प्रवीण मोटरसाइकिल पर आगे-आगे चल रहा था। गांव खानक में पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो आगे से आ रहे हाइवा ट्रक ने मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मारी। उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में भाई को नागरिक अस्पताल तोशाम लेकर आया जहां चिकित्सकों ने भाई को मृत घोषित कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक प्रवीण तीन भाइयों में सबसे छोटा था और इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। प्रवीण की दो बेटियां बड़ी आठ वर्ष और छोटी बेटी दो साल की हैं। पांच साल का एक बेटा है जो दिव्यांग है। बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने स गांव के लोग सदमें में हैं।

खबर संक्षेप

त्रिदिवसीय दिव्य गीता सत्संग आज से

भिवानी। छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी नगरी में 14 से 16 जुलाई तक आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय दिव्य गीता सत्संग को लेकर धर्मप्रेमियों में भारी उत्साह है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस दिव्य समागम के लिए निमंत्रण अभियान भी जोर-शोर से चलाया जा रहा है, जिसके तहत शहर के गणमान्य लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया जा रहा है। इस इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में सत्संग आयोजन समिति के चेयरमैन डा. विनोद अंचल, श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के प्रधान नरेश आहुजा के नेतृत्व में जोर-शोर से निमंत्रण अभियान जारी है।

9.01 ग्राम हेरोइन सहित युवक किया गिरफ्तार

चरखी दादरी। सीआईए स्टाफ ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमसी कॉलोनी निवासी मनीष को 9.01 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार के अनुसार एएसआई विशाल के नेतृत्व वाली टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

भिवानी। शिविर में अतिथियों व रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए आयोजक।

सेना के सम्मान में लगाया शिविर 75 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

■ शिविर में 133 लोगों ने पंजीकरण करवाया

दादरी के प्रताप हार्ट एंड चेस्ट अस्पताल तथा श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा के संयुक्त तत्वावधान में एक कदम सेना के नाम अभियान के तहत भारतीय सेना के लिए रविवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 133 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 75 युवाओं ने रक्तदान कर देश के जवानों के प्रति अपनी कृतज्ञता और समर्पण की भावना व्यक्त की।

शिविर का शुभारंभ मेजर (सेवानिवृत्त) डॉ. योगेंद्र देशवाल, श्रीराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एवं हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव अमित जाखड़, सूबेदार सुधांशु कुमार, ग्रामीण विकास मंडल निहालगढ़ के सचिव मास्टर सुनील कुमार, वंचित जन जागृति ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष बिशन सिंह आर्य तथा हवलदार तेलंग एसएस ने मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर सेना की मेडिकल टीम का पुष्पमालाओं एवं फटका पहनाकर स्वागत किया गया।

रक्त संग्रह का कार्य आर्म्ड फोर्सेज ट्रांसफ्यूजन सेंटर, दिल्ली कैंट की टीम ने किया। मेजर (सेवानिवृत्त) डॉ. योगेंद्र देशवाल ने कहा कि हरियाणा देश को सर्वाधिक सैनिक देने वाले राज्यों में अग्रणी है। सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्त उपलब्ध कराना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचा सकता है।

बीएएमएस डॉक्टरों पर प्रसव की रोक से आक्रोश

■ प्रशासनिक आदेश से छीन रहे अधिकार, चरमरा जाएगी ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकार द्वारा प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शून्य मातृ मृत्यु पखवाड़ा (7 जुलाई से 22 जुलाई) के दौरान जारी एक प्रशासनिक आदेश ने नया विवाद खड़ा कर दिया है।

सरकार के इस निर्देश के तहत बीएएमएस चिकित्सकों और उनके द्वारा संचालित अस्पतालों में सामान्य प्रसव कराने पर रोक लगा दी गई है। इस प्रतिबंधात्मक आदेश के विरोध में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। नीमा की भिवानी जिला इकाई ने इस संबंध में प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को ज्ञापन सौंपकर तुरंत हस्तक्षेप करने और इस आदेश को वापस लेने की मांग की है।

भिवानी। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

सामान्य प्रसव कराना हमारी शिक्षा का हिस्सा

इस मौके पर नीमा के जिला अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा व महिला विंग जिला अध्यक्ष डा. अनिता अंचल ने कहा कि बीएएमएस चिकित्सकों को भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के तहत प्रसूति एवं स्त्री रोग का बकायदा सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। सामान्य प्रसव कराना हमारी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा है। सुरक्षित प्रसव और मातृ-शिशु सुरक्षा हमारी भी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि इस आदेश को तुरंत वापस नहीं लिया गया, तो ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा पूरी तरह चरमरा जाएगा, क्योंकि वहां आज भी बहुसंख्यक आबादी बीएएमएस डॉक्टरों के भरोसे है। ज्ञापन के माध्यम से नीमा ने मांग की कि बीएएमएस चिकित्सकों पर सामान्य प्रसव कराने को लेकर लगाए गए प्रतिबंधात्मक निर्देशों की तत्काल समीक्षा कर उन्हें वापस लिया जाए।

दादरी शहर को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

■ स्मार्ट रोड और स्मार्ट बाजार परियोजना अब प्रशासनिक मंजूरी के अंतिम चरण में

दादरी शहर के समग्र विकास को नई दिशा देने के लिए प्रस्तावित स्मार्ट रोड और स्मार्ट बाजार परियोजना अब प्रशासनिक मंजूरी के अंतिम चरण में है। नगर परिषद की ओर से जनस्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम और लोक निर्माण विभाग के सहयोग से परियोजना का एस्टीमेट तैयार कर मुख्यालय भेज दिया गया है। ड्राइंग का कार्य भी पूरा हो चुका है।

प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर निर्माण कार्य आरंभ किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य शहर की बढ़ती आबादी, यातायात के बढ़ते दबाव और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक आधारभूत सुविधाओं का विकास करना है। योजना पूरी होने के बाद शहर की सड़क व्यवस्था अधिक सुगम होगी और बाजारों का स्वरूप भी व्यवस्थित एवं आकर्षक दिखाई देगा। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। योजना के तहत सड़क किनारे फैले बिजली के तारों को हटाकर अंडरग्राउंड बिजली लाइनें बिछाई जाएंगी। इससे दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी और शहर का सौंदर्य भी निखरेगा। रात के समय बेहतर रोशनी के लिए आधुनिक एलइडी स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी, जिससे सुरक्षा बढ़ने के साथ ऊर्जा की बचत भी होगी। स्मार्ट रोड परियोजना में प्रमुख मार्गों को चौड़ा और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि बढ़ते वाहनों का दबाव आसानी से संभाला जा सके।

वहीं, बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित करने की भी योजना है। परियोजना के तहत स्मार्ट बाजारों का भी विकास किया जाएगा।

हरगांव त्रिवेणी अभियान के तहत बांटे पौधे

तोशाम। रविवार को 33 केवी बिजली घर हसान में सर्व कल्याण मंच हरियाणा द्वारा संचालित हर गांव त्रिवेणी अभियान के तहत पौधरोपण कर छायादार व फलदार पौधे वितरित किए। जिला भिवानी सर्व कल्याण मंच हरियाणा की तोशाम टीम के सदस्य संदीप गौड़ ने पौधरोपण और पर्यावरण सरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सर्व कल्याण मंच ने पूरे हरियाणा भर में हर गांव त्रिवेणी अभियान चलाया हुआ है।

कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

होई सोई जो राम रची राखा, फिर किस बात का तर्क-वितर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दिनोद धाम स्थित राधास्वामी आश्रम में रविवार को परमसंत हुजूर कँवर साहेब महाराज के पावन सान्निध्य में विशाल सत्संग का आयोजन हुआ। इस अवसर पर हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुँची हजारों की संख्या में श्रद्धालु संगत ने सत्संग में भाग लिया और गुरु वचनों का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

पूरे आश्रम परिसर में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सत्संग के दौरान परमसंत हुजूर कँवर साहेब महाराज ने कहा कि "होई सोई जो राम रची राखा, फिर किस बात का तर्क-वितर्क करना। होगा वही जो परमात्मा चाहेगा, मनुष्य के चाहने मात्र से कुछ नहीं होता।" उन्होंने कहा कि परमात्मा ने मनुष्य को सभी जीवों में श्रेष्ठ बनाया है ताकि वह विवेक, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सार्थक बना सके, किन्तु काल और माया के प्रभाव में पड़कर मनुष्य अपने वास्तविक उद्देश्य को ही भूल बैठता है। उन्होंने कहा कि जीवन में जब कोई दुःख, संकट या विपत्ति आती है तो मनुष्य भक्ति, सेवा और सात्विक जीवन का संकल्प लेता है, लेकिन समय बीतने के साथ वह पुनः सांसारिक आकर्षणों में उलझ जाता है। मनुष्य को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि उसके प्रत्येक कर्म का फल उसे अवश्य भोगना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक कार्य धर्म, सत्य और सदाचार के अनुरूप होना चाहिए। परमसंत ने कहा कि संत-सतगुरु की कृपा अत्यंत दुर्लभ होती है और उसका सम्मान वही कर पाता है, जिसके भीतर सच्ची श्रद्धा और समर्पण होता है। संसार की भौतिक वस्तुएँ मनुष्य को अहंकार की ओर ले जाती हैं।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब।

सत्संग सच्चे जीवन का मार्ग दिखाता

परमसंत ने कहा कि सत्संग मनुष्य के भीतर की बुराइयों को दूर करता है और उसे सच्चे जीवन का मार्ग दिखाता है। जो व्यक्ति स्वयं बुराइयों में डूबा रहता है, उसे सत्संग अच्छा नहीं लगता। वह न केवल स्वयं दूर रहता है, बल्कि दूसरों को भी भक्ति मार्ग से भटकाने का प्रयास करता है। अपने प्रेरक संदेश में उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य उच्च चरित्र, परिवार में प्रेम और शांति, माता-पिता एवं बड़े-बुजुर्गों की सेवा, बच्चों को उत्तम संस्कार, प्रकृति के प्रति प्रेम तथा सदाचारपूर्ण जीवन को अपनाता है तो वह गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी आध्यात्मिक उन्नति और फकीरी का आनंद प्राप्त कर सकता है। जिस प्रकार की संगति मनुष्य करता है, उसी प्रकार के संस्कार और गुण उसके भीतर विकसित होते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने वार्ड 4 व 5 में विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने वार्ड नंबर 4 एवं 5 में चल रहे गली निर्माण कार्य, वाल्मीकि मंदिर चैक के विकास कार्य तथा चैपाल की मरम्मत कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी एजेंसी को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि आमजन को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जा रहा है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुंदर अत्री ने कहा कि नगर पालिका का उद्धेश्य कस्बे के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा विकास कार्यों को पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाना है।इस अवसर पर नगर पालिका उप प्रधान प्रतिनिधि बजरंग तंवर भी साथ रहे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि विकास कार्यों के दौरान सभी का सहयोग नगर के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

“दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है’’।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

“ आप चिड़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा”।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

> सर्दियों के दिन गुजर गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

“ विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं”।

“ ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है” – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –“ मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं” तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– “जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा”। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

> आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है ‘वास्तु विज्ञान’

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक ‘वास्तु विज्ञान’ का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

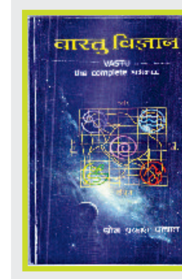

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो ....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो ....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो........

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो ....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो ....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो..........

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.........

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

> *जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।*

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ . अंजना गर्ग

कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—“आज तो खेल कर दिया...”
घर पहुंचा—तो बाहर ही “खेल” चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
“तुम्हारी बेटी भी...!”
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
“जुबान संभालकर बात करो!” वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—“अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये जुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।”
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
“शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।”

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ . मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्ज़री एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्ज़री उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिज़ाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्ज़री ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

नर्सरियों के लिए लाइसेंस अनिवार्य : डीएचओ

भिवानी। प्रदेश सरकार ने बागवानी को प्रोत्साहित करने और लाभकारी बनाने के लिए निरंतर दूरदर्शी नीतियां लागू कर रही है। इसी के चलते राज्य सरकार की ओर से हरियाणा बागवानी नर्सरी एक्ट-2025 को लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य फलों, फूलों, सब्जियों, औषधीय पौधों व अन्य बागवानी फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे किसानों और उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराना है। नर्सरी संचालकों को एक्ट की पालना कर पंजीकरण के साथ लाइसेंस लेना होगा। डीएचओ देवीलाल ने ये जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा हॉर्टिकल्चर नर्सरी अधिनियम, 2025 तथा हरियाणा हॉर्टिकल्चर नर्सरी नियम, 2026 को प्रदेश में लागू कर दिया गया है। यह अधिनियम 8 जुलाई 2025 से प्रभावी है, जबकि इसके तहत बनाए गए नियमों को 30 जून 2026 को हरियाणा राजपत्र (असाधारण) में अधिसूचित किया गया है।

जजपा पदाधिकारियों का आभार जताया

बाढड़ा। उपमंडल मुख्यालय पर जजपा द्वारा 10 जुलाई को आयोजित बीएलए 2की बैठक में भारी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचने पर पदाधिकारियों ने उनका आभार प्रकट किया है। जजपा हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ोली व जिला प्रैस प्रवक्ता राजेंद्र हूई ने आए हुए समस्त कार्यकर्ताओं का पार्टी हाईकमान की तरफ से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि हल्का स्तर पर होने वाली बैठकों में यह बैठक अब तक की सबसे सफल बैठक रही। इसका सारा श्रेय वरिष्ठ पदाधिकारियों व आम कार्यकर्ता को जाता है। जिसकी जहां भी जिम्मेदारी लगाई उसने उस जिम्मेदारी को निष्ठा से निभाया। 90 प्रतिशत बीएलए 2 बैठक पहुंचे, सभी बीएलए 2 का पार्टी हाईकमान की तरफ धन्यवाद करते हैं। आगामी समय में भी जो बैठक होगी उसमें भी इसी तरह पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का सहयोग मिलता रहेगा। हम ये भरोसा रखते हैं। 10 जुलाई को हुई बैठक को पूर्व उपमु यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी मंच से सराहा है।

राणा राजकुमार के निधन पर सांसद ने जताया शोक

भिवानी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इकाई इतिहास संकलन समिति के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से सेवानिवृत सहायक सचिव राणा राजकुमार के निधन पर भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक जताया। सांसद धर्मबीर ने राणा राजकुमार के बेटे भाजपा नेता रीतिक वधवा व रजत वधवा को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में शहीदों की जीवनी का समावेश एवं गीता को लागू करने में राणा राजकुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राणा राजकुमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में अपना सारा जीवन समर्पित किया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड चेयरमैन शंकरलाल धूपड़ एवं भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कौशिक ने राणा राजकुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि राजकुमार ने अपने जीवनकाल में हमेशा आमजन की सेवा की है।

नशे और अपराध से दूर रह खेलों की ओर बढ़े युवा : डीएसपी

पालुवास के तीन चाचा-भतीजों ने झटके 2 गोल्ड व एक सिल्वर

- प्रोफेशनल मुक्केबाजी में रिंग में भिड़े दो सगे भाई, अंकित ने गोल्ड व आदित्य ने जीता सिल्वर, चाचा युवराज ने भी झटका गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 6 से 10 जुलाई तक आईपीएल की तर्ज पर आईएबीएफ द्वारा आयोजित करवाई पहली प्रोफेशनल मुक्केबाजी लीग में भिवानी जिले के गांव पालुवास के मुक्केबाजों ने इतिहास रच दिया है। इस प्रतियोगिता में गांव पालुवास के तीन मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम कर पूरे देश में गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस ऐतिहासिक कामयाबी के बाद रविवार को जब तीनों पदक विजेता खिलाड़ी गांव पालुवास पहुंचे, तो पूरा गांव उत्सव के माहौल में डूब गया। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों की थाप, फूलों और नोटों की मालाओं के साथ मुक्केबाजों का जोरदार नागरिक अभिनंदन किया।

भिवानी। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

दो सगे भाई मुकाबले में आमने-सामने

इस प्रतियोगिता का सबसे दिलचस्प और रोमांचक मुकाबला 72 किलो 500 ग्राम भार वर्ग में देखने को मिला, जहां फाइनल मैच में गांव पालुवास के दो सगे भाई अंकित व आदित्य आमने-सामने थे। इस मुकाबले में अपनी तकनीक का लोहा मनवाते हुए बड़े भाई अंकित ने गोल्ड मेडल पर कब्जा किया तो वही छोटे भाई आदित्य राज ने शानदार फाइट लड़ते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इन दोनों सगे भाइयों के चाचा युवराज ने भी इसी प्रतियोगिता के 61 किलो 500 ग्राम भार वर्ग में देश के दिग्गजों को धूल चटाते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। यानी एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने देश की सबसे बड़ी प्रो-बॉक्सिंग लीग में तीन पदक जीतकर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। इस प्रतियोगिता में देशभर की चार टीमों के 32 शीर्ष महिला व पुरुष मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था, जिसमें पालुवास के इन बेटों ने अपनी धाक जमाई।

मुख्य अतिथि ने तीनों विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनकी प्रशंसा की

सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भिवानी के उप पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने तीनों विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनकी इस अद्वितीय उपलब्धि की जमकर प्रशंसा की। डीएसपी अनुप कुमार ने कहा कि एक ही परिवार से तीन-तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज निकलना और देश के मंच पर पदक जीतना कोई साधारण बात नहीं है। विशेषकर दो सगे भाइयों का फाइनल में देश के शीर्ष स्तर पर मुकाबला करना खेल के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। युवराज, अंकित और आदित्य ने यह साबित कर दिया है कि अगर प्रतिभा को सही दिशा और कड़ी मेहनत मिले, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। भिवानी पुलिस और पूरा जिला इन बेटों पर गर्व करता है। यह सफलता इलाके के अन्य युवाओं को नशे और अपराध से दूर रहकर खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

पालुवास के लिए ऐतिहासिक दिन : सरपंच

इस मौके पर गांव के सरपंच रणबीर सिंह ने कहा कि आज हमारे गांव पालुवास के लिए ऐतिहासिक और अत्यंत भावुक दिन है। हमारे बेटों ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में जो कर दिखाया है, उसकी गूंज पूरे देश में है। जब अंकित और आदित्य रिंग में एक-दूसरे के सामने थे, तो पूरा गांव सांसें थामे मैच देख रहा था। जीत चाहे किसी की भी होती, मेडल पालुवास ही आ रहा था। चाचा युवराज और दोनों भतीजों ने मिलकर गांव का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। इस स्वर्णिम सफलता पर अंकित व आदित्य के पिता राजकुमार व माता अनिता तथा युवराज के पिता सतीश व माता सुशीला की खुशी का ठिकाना नहीं था। माता-पिता ने भावुक होते हुए कहा कि बच्चों की सालों की कड़ी मेहनत और डाइट की तपस्या आज रंग लाई है। इस अवसर पर अभिजीत लाल सिंह, अनिल खरकिया, हंसराज सिंह, राजकुमार, सतबीर, रामभगत सिंह, अनिल कुमार, कृष्ण सिंह, राकेश कुमार, बृजपाल सिंह, रमेश कुमार सहित अनेक ग्रामीण व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

भिवानी। दिव्य गीता सत्संग को लेकर जनसम्पर्क अभियान चलाते हुए।

दिव्य गीता सत्संग को लेकर उमड़ा जन उत्साह

शहरभर में तेज हुआ जनसंपर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

श्रीकृष्ण कृपा गीता परिवार के तत्वावधान में पूज्य स्वामी ज्ञानानंद के सान्निध्य में 14 से 16 जुलाई तक प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक दिनोद गेट स्थित सूर्या बैंक्वेट हॉल में आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय दिव्य गीता सत्संग को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु परिवार सहित सत्संग में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं, वहीं आयोजन समिति द्वारा घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है।

समिति के जिला अध्यक्ष नरेश आहूजा के निर्देशन में बंसीलाल पार्क, हलवास गेट, दादरी गेट, हनुमान गेट सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान में युवा जिला अध्यक्ष संजय कामरा, महासचिव विनोद छाबड़ा, संगठन प्रमुख ओम दुरेजा, सचिव जेई बिजेश जावला, वार्ड-25 के पार्षद विनोद प्रजापति व प्रवक्ता सुरेश सैनी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने लोगों को सत्संग का निमंत्रण दिया। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति ने अलग-अलग टीमों का गठन कर प्रत्येक क्षेत्र की जिम्मेदारी भी तय की है।

गीता ज्ञान का श्रवण करें

समिति पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की सर्वोत्तम कला सिखाने वाला दिव्य ज्ञान है। गीता हमें कर्मयोग, आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य और सकारात्मक सोच का संदेश देती है। वर्तमान समय में जब समाज तनाव, चिंता और भौतिकता से घिरा हुआ है, ऐसे में गीता का संदेश प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा, शांति और सही दिशा प्रदान करता है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार, मित्रों और परिचितों सहित इस दिव्य गीता सत्संग में पहुंचकर पूज्य स्वामी ज्ञानानंद महाराज के श्रीमुख से गीता ज्ञान का श्रवण करें तथा अपने जीवन को आध्यात्मिक, संस्कारित और आनंदमय बनाने का अवसर प्राप्त करें।

एचडी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

गांव बिरोहड़ स्थित एचडी पब्लिक स्ककूल में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं पर्यावरण शिक्षा विषय पर एक दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करने तथा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बलराज फोगाट, प्राचार्या नमिता दास, सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन भूपेंद्र कुमार एवं ऋतुराज दहिया सहित विद्यालय का समस्त शिक्षकीय स्टाफ उपस्थित रहा।

प्राचार्या नमिता दास ने स्वागत संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण जीवन का संस्कार है। विद्यालयों की जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा भी दी जाए।

प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सन भूपेंद्र कुमार और ऋतुराज दहिया ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल एवं ऊर्जा बचत, जैव विविधता, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा सतत विकास जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

चरखी दादरी। एचडी स्कूल में कार्यक्रम के दौरान मौजूद स्टाफ सदस्य व रिसोर्सपर्सन। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय प्रबंधन ने किया पर्यावरण के लिए जागरूक

निदेशक बलराज फोगाट ने कहा कि धरती आने वाली पीढ़ियों की अमानत है और इसकी रक्षा करना सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि पर्यावरण के प्रति जागरूक विद्यार्थी ही भविष्य को सुरक्षित बनाएंगे। उप-प्राचार्य नवीन कुमार सनसनवाल ने कहा कि सीबीएसई प्रशिक्षण शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हरिओम शास्त्री ने बताया कि गतिविधि आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और व्यावहारिक समझ विकसित होती है।

गरवा गांव में पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

गांव गरवा में रविवार को वन महोत्सव के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू तथा समाजसेवी मुरारी जांगड़ा ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर समाजसेवी मुरारी जांगड़ा ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने कहा कि पेड़-पौधे न केवल शुद्ध हवा प्रदान करते हैं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी बेहद आवश्यक हैं। भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे वन महोत्सव को केवल एक दिन का कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जन आंदोलन बनाते हुए अपने घर, खेत, विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित देखभाल भी करें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधरोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान की सफलता के लिए पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, हनुमान शर्मा पाजू व मुरारी जांगड़ा ने 51-51हजार रुपए की राशि भेंट की। गजानंद अग्रवाल ने आयोजकों की मांग पर सीमेंट की भी व्यवस्था करवाने का आश्वासन दिया।

बहल। गरवा गांव में वन महोत्सव में पौधारोपण करते हुए मुरारी जांगड़ा, गजानंद अग्रवाल व हनुमान शर्मा। फोटो : हरिभूमि

दादरी अग्रवाल सभा की आम बैठक में नई कार्यकारिणी के गठन का मार्ग प्रशस्त

चरखी दादरी। अग्रवाल सभा की आगामी चुनाव प्रक्रिया को लेकर रविवार को स्थानीय अग्रसेन धर्मशाला में आम सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के प्रधान पवन गुप्ता ने की, जिसमें काफी संख्या में अग्र बंधुओं ने भाग लिया। बैठक में महासचिव शुभम गोयल ने सभा की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा कोषाध्यक्ष प्रेम मित्तल ने वर्षभर के आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा सदन के समक्ष रखा। इस दौरान निवर्तमान कार्यकारिणी ने अपने पदों से त्यागपत्र सौंपते हुए नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा। आम सभा ने अग्रवाल सेवा संघ के पूर्व प्रधान कैलाश चंद रिटोलिया को सर्वसम्मति से आम सभा का अध्यक्ष चुना। साथ ही नई कार्यकारिणी के गठन तक उन्हें अग्रवाल सभा के प्रधान का दायित्व सौंपने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से ध्वनिमत से पारित किया गया।

पहाड़ी माता मंदिर परिसर में की सफाई

लोहारू। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं एडीसी दीपक बाबू लाल करवा की प्रेरणा से युवा स्वच्छता एवं जन सेवा समिति द्वारा गांव नकीपुर स्थित पहाड़ी माता मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान समिति के सदस्यों ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। मंदिर परिसर में 15 जुलाई को व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। सफाई अभियान के तहत पौधों के संरक्षण के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली (ड्रिप सिस्टम) भी स्थापित की गई ताकि लगाए जाने वाले पौधों को नियमित रूप से पानी मिल सके और उनका बेहतर संरक्षण हो। समिति के सदस्यों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित की जाए। इसी उद्देश्य से पहले ही ड्रिप सिस्टम की व्यवस्था की गई है।

विधायक ने सुनीं लोगों की समस्याएं

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को दादरी कैंप कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मामलों को विधायक के समक्ष रखा। विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि जनता से सीधे संवाद करना जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव था, उन्हें मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत कर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र समाधान के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चरखी दादरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी अनेक परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

शुभम गोयल को मानद डॉक्टरेट उपाधि

चरखी दादरी। सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवा समाजसेवी शुभम गोयल को फरीदाबाद मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें समाज सेवा, धार्मिक गतिविधियों, जनकल्याण और विभिन्न सामाजिक अभियानों में सक्रिय भागीदारी तथा नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया। शुभम गोयल लंबे समय से सामाजिक समरसता, सेवा भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं। वे विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं तथा गौ सेवा, भोजन वितरण, स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर, जनजागरूकता अभियान और अन्य जनहित कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं। युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित करने और सकारात्मक दिशा देने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। सम्मान समारोह में संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि कम आयु में शुभम गोयल ने समाज सेवा के क्षेत्र में जो पहचान बनाई है, वह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

चरखी दादरी। शुभम गोयल को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित करते हुए संस्था पदाधिकारी।

संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाने के लिए जुटें कार्यकर्ता : ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

स्थानीय जिला कार्यालय में रविवार को इंडियन नेशनल लोकदल दादरी जिला इकाई की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सूबे सिंह अटेला ने की, जबकि बैठक का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी ओमप्रकाश गौरा ने किया।

जिला अध्यक्ष सूबे सिंह अटेला ने कहा कि इनेलो संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बूथ ही चुनाव की सबसे मजबूत इकाई है और प्रत्येक बूथ पर पार्टी की सक्रिय टीम तैयार की जाएगी। उन्होंने सभी प्रकोष्ठों और हल्का पदाधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर जनहित के मुद्दों को जनता के बीच ले जाने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी ओमप्रकाश गौरा ने कहा कि इनेलो ही प्रदेश के किसानों, युवाओं, कर्मचारियों, महिलाओं और गरीब वर्ग की सच्ची आवाज है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों से परेशान है और बदलाव का मन बना चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और जननायक चौधरी देवीलाल के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। इस दौरान जय भगवान ठेकेदार हलका प्रधान दादरी, आर्य उद्यम सिंह उमरवास हलका प्रधान बाढड़ा आदि मौजूद रहे।

चरखी दादरी। बैठक में मौजूद इनेलो पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हमसा ने बजाया चरणबद्ध आन्दोलन का बिगुल, सभी डीसी दफ्तरों पर प्रदर्शन में ठोकेंगे ताल

6700 को वेतन वृद्धि का लाभ, 28300 को नहीं मिली फूटी कौड़ी: हितेंद्र सिहाग

भाजपा संकल्प पत्र एवं मंत्रीमंडल का फैसला 12 साल से लंबित, पात्रों को नहीं मिली वेतन वृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

प्रदेश के सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों में कार्यरत क्लर्क, स्टेनो टाइपिस्ट, स्टोर कीपर,लैब सहायक, जूनियर स्केल स्टेनो ग्राफर, जूनियर ऑडिटर, एसडीसी, आंकड़ा सहायक, सीनियर स्टोर कीपर, एडब्ल्यूबीएन, सहायक, स्टेनो ग्राफर, उपाधीक्षक एवं अधीक्षक जो सरकार की रीढ़ है और सरकारी योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं, उक्त सभी पदनाम मिनिस्ट्रीयल स्टाफ की श्रेणी में ही आते हैं, उक्त बयान हरियाणा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन (हमसा) के प्रदेशाध्यक्ष हितेंद्र सिहाग, महासचिव जगमिंद्र सिंह, केन्द्रीय कमेटी सदस्य मनीष घणघस, सतबीर स्वामी, सुनीता कालीरमण, कपिल रावलधी व शिवकुमार श्योराण ने संयुक्त रूप से दिया।

उन्होंने कहा बताया कि अन्य कर्मियों की तुलना में इनका वेतनमान बहुत ही कम है। सर्व कर्मचारी संघ संबंधित हरियाणा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के बैनर तले इस वर्ग ने पूर्व वित्तमंत्री हरमोहिंद्र सिंह चट्ठा के कुरुक्षेत्र आवास पर गत 18 नवंबर 2012 से लगातार 477 दिन तक आन्दोलन, हड़ताल एवं रोष प्रदर्शन कर सरकार की नींद उड़ा दी थी, उसी आन्दोलन के दबाव में गत 25 अगस्त 2014 में तत्कालीन मंत्रीमंडल के निर्णय अनुसार एक नवंबर 2014 से वेतनमान बढ़ोतरी का निर्णय लिया था। भाजपा ने भी उस दौरान अपने संकल्प पत्र में सरकार बनते ही पहली कलम से उक्त निर्णय लागू करने की बात कही थी, लेकिन अब भाजपा सरकार को प्रदेश की कमान संभाले 12 साल बीत हो चुके हैं और उन्होंने अपना संकल्प पत्र एवं मंत्रीमंडल का फैसला लागू नहीं किया है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव वित्त विभाग हरियाणा द्वारा जारी आदेश में वर्ष 2020 से पूर्व के क्लर्कों को तीन तथा वर्ष 2020 के क्लर्कों को दो अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ दिया हैं, जिसमें मात्र 6700 क्लर्कों को ही आंशिक लाभ मिलेगा, जबकि 28 हजार 300 अन्य पदनाम कर्मियों को इससे वंचित रखा गया है, जो न्यायसंगत नहीं है।

जनवरी 2016 से लागू करें अतिरिक्त वेतन वृद्धि लाभ

सिहाग ने बताया कि शेष बचे 28 हजार 300 मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ प्रदान कर जनवरी 2016 से लागू किया जाए। वहीं 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग में मंत्रीमंडल का फैसला लागू कर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों के वेतन एवं भत्तों में बढ़ोतरी कर लाभ प्रदान किया जाए। हमसा ने वेतनमान, पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य सांझी मागों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 30 जूलाई, 4 अगस्त, 7 अगस्त व 11 अगस्त को जिला स्तर पर विशाल प्रदर्शन में मिनिस्ट्रीयल स्टाफकर्मी ताल ठोकेंगे, जिसकी व्यापक तैयारियों को लेकर विस्तारित मीटिंग की जाएंगी।

हितेंद्र सिहाग।

खबर संक्षेप

नूंह का सम्मान दिवस बनाएगा नया रिकॉर्ड

बाढड़ा। 27 सितंबर को मेवात के नूंह की अनाज मंडी में आयोजित होने वाले चौधरी देवीलाल जयंती एवं सम्मान दिवस समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए इनेलो ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मेवात के प्रभारी आनंद सिंह स्योराण ने रविवार को बाढड़ा हल्के के कई गांवों का दौरा कर कार्यकर्ताओं से संपर्क किया और अधिक से अधिक सं या में कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया।

हर गांव में लगेगी त्रिवेणी हरियाली बनेगी पहचान

बाढड़ा। गांव जेवली में सर्व कल्याण मंच हरियाणा के हर गांव त्रिवेणी अभियान के तहत रविवार को पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने पीपल, बरगद और नीम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सर्व कल्याण मंच हरियाणा के प्रदेश कोऑर्डिनेटर कुलदीप शास्त्री चांदवास ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती।

हेरोइन सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। मादक पदार्थ सप्लाई करने के मामले में सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इससे पहले टोल प्लाजा बामला के पास नाकाबंदी कर मादक पदार्थ के साथ मनीष निवासी शांति नगर, भिवानी को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 9.17 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। आरोपित रोहित पुत्र सुरेश निवासी, रोहतक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

चिकित्सा शिविर के विरोध में प्रदर्शन

बहल। कस्बे की नई अनाज मंडी में काली कंबली वाले बाबा द्वारा आयोजित कथित चिकित्सा शिविर के विरोध में रविवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शिविर के प्रचार के लिए मैन बाजार में लगे होर्डिंग्स फाड़ दिए। प्रदर्शनकारियों ने शहीद स्मारक से पुलिस थाना तक मार्च निकालकर प्रशासन से शिविर में हस्तक्षेप करने और इसे बंद करवाने की मांग की।

नाम सिमरन एवं कीर्तन समागम में उमड़ी संगत, गुरबाणी कीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण, गुरु का अटूट लंगर बरताया, कीर्तनी जत्थे को सरोपा भेंट किया

संगत को नाम जपने, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गुरुद्वारा ब्रह्म बुंगा साहिब दोदड़ा के तत्वावधान में रविवार को गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, घंटाघर, भिवानी में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ नाम सिमरन एवं कीर्तन समागम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगत ने पहुंचकर गुरु घर की हाजिरी भरी तथा गुरबाणी कीर्तन और नाम सिमरन का लाभ प्राप्त किया। समागम के दौरान निष्काम कीर्तनी जत्थे ने मधुर एवं भावपूर्ण गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गुरु की वाणी का रसपान करते हुए संगत पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ कीर्तन में लीन रही। कीर्तनी जत्थे ने गुरु साहिब के उपदेशों का संदेश देते हुए संगत को नाम जपने, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

गुरु का लंगर ग्रहण किया

कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे आरंभ हुआ और दोपहर 2:00 बजे तक श्रद्धापूर्वक चला। इस दौरान संगत ने नाम सिमरन, गुरबाणी श्रवण और अरदास में भाग लेकर गुरु की असीम कृपा का अनुभव किया। बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों की उपस्थिति ने समागम की शोभा को और बढ़ा दिया। कीर्तन समापन के उपरांत गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। दूर-दूर से पहुंची संगत ने पंगत में एक साथ बैठकर प्रेम, समानता और भाईचारे के प्रतीक गुरु का लंगर ग्रहण किया। लंगर सेवा में सेवादारों ने पूरे समर्पण और विनम्रता के साथ अपनी सेवाएं निभाईं, जिसकी संगत ने सराहना की।

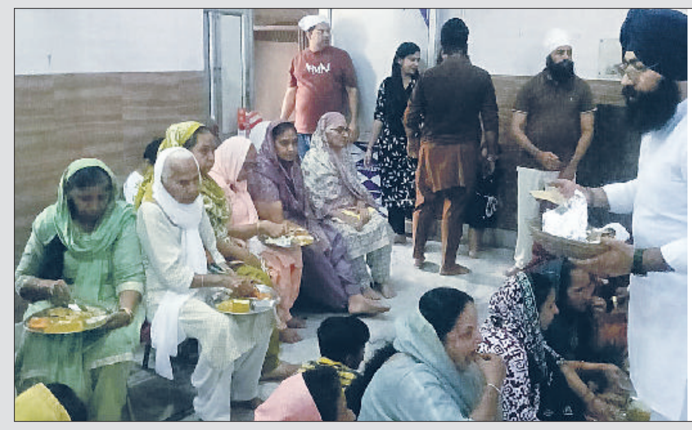

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में लंगर छकते हुए। फोटो: हरिभूमि

सुख-समृद्धि, विश्व शांति और सर्वजन कल्याण की कामना की

गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, घंटाघर के प्रधान सरदार इन्द्रमोहन सिंह ने समस्त संगत, सेवादारों तथा दूर-दराज से पधारे निष्काम कीर्तनी जत्थे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक समागम समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी प्रेम, भाईचारा और गुरु साहिब की शिक्षाओं के प्रति आस्था को मजबूत करते हैं। अंत में उन्होंने कीर्तनी जत्थे को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार गुरु घर की सेवा और संगत के सहयोग की अपील की। समागम का समापन अरदास के साथ हुआ, जिसमें समस्त मानवता की सुख-समृद्धि, विश्व शांति और सर्वजन कल्याण की कामना की गई। श्रद्धालुओं ने इस आध्यात्मिक आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए ऐसे समागमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

पीएम 17 को जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन को दिखाएंगे हरी झंडी : धर्मबीर

समारोह में सभी कार्यकर्ता इलेक्ट्रिक वाहन, साइकिल या पैदल ही जाएंगे

- पीएम भिवानी व नारनौल के पास कोरियावास के मेडिकल कॉलेज का करेंगे शुभारंभ
- मिल्क प्लांट के पास मेडिकल कॉलेज परिसर में होगा मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन संचालन का शुभारंभ करेंगे और ये ट्रेन 100 प्रतिशत प्रदूषण रहित होगी। वहीं प्रधानमंत्री के जींद समारोह में पैट्रोल डीजल रहित इलैक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग होगा, उक्त व्यक्तत्व सांसद धर्मबीर सिंह ने सांझा किए। सांसद धर्मबीर सिंह रविवार को लोकनिर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ विधायक घनश्यामदास सर्राफ, पूर्वमंत्री जेपी दलाल, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक मौजूद थे। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि जींद समारोह के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी भिवानी के नवनिर्मित पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज व नारनौल के पास गांव कोरियावास के मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ करेंगे, जो भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौभाग्य, खुशी एवं गर्व की बात है।

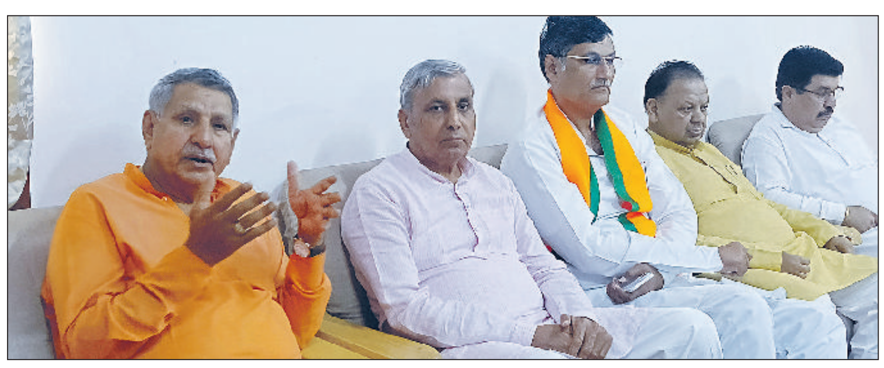

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते सांसद धर्मबीर सिंह, साथ में पूर्वमंत्री जेपी दलाल, विधायक घनश्याम सर्राफ व जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक। फोटो: हरिभूमि

12 वर्षों से देश के हर क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही

सांसद धर्मबीर सिहं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश में हर क्षेत्र में भूतपूर्व विकास हुआ है, जो वर्ष 2047 तक भारत के पूर्ण रूप से विकसित होने में बढ़ते कदम है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन हर नागरिक को प्रदूषण नियंत्रण के प्रति प्रेरित करने का भी काम करेगी। बढ़ता हुआ प्रदूषण देश एवं दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सांसद धर्मबीर सिहं ने कहा कि जींद में 17 जुलाई को होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हर जिला मुख्यालय पर सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा, भिवानी व नारनौल में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन समारोह आयोजित होगा, वे स्वयं भिवानी में मिल्क प्लांट के पास मेडिकल कॉलेज परिसर में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय पर होने वाले समारोह में सभी लोग इलेक्ट्रिक वाहनों, साइकिल या पैदल जाएंगे, जो प्रदूषण नियंत्रण का संकेत होगा। जिला मुख्यालय होने वाला कार्यक्रम 17 जुलाई को सुबह 9 बजे शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदूषण की समस्या से ही जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। वायुमंडल पर प्रदूषण का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, ग्लेशियर कम हो रहे हैं। कभी अत्यधिक सूखा, तो कभी अत्यधिक सर्दी तो कभी अचानक मौसम में बदलाव होता है, जिसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज शुरू होने से गरीब घरों के बच्चे डॉक्टर बन सकेंगे और उन्हें प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में करोड़ों रुपये भी नहीं देने पड़ेंगे। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल व विनोद चावला भी मौजूद रहे।

हर जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण नए युग की शुरुआत की तरह

पत्रकारों द्वारा पूछे सवालों का जवाब में सांसद धर्मबीर ने कहा कि सबसे पहले किसी भी संस्थान के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करवाया जाता है, उसके बाद वहां पर संसाधन एवं जरूरत के अनुरूप स्टाफ की नियुक्ति की जाती है। उन्होंने बताया कि पहले मात्र 12 प्रतिशत डॉक्टर ही सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़ कर आते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी की दूरगामी सोच के चलते देशभर में प्रत्येक जिला मुख्यालय पर सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। मेडिकल कॉलेज व सरकारी अस्पतालों में नवीनतम तकनीक की जांच संबंधी मशीनें स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी समय हरियाणा प्रदेश में केवल एक रोहतक में ही मेडिकल कॉलेज था, जो बाद में पीजीआई बना। प्रदेश में अब नए मेडिकल कॉलेज शुरू होने से चिकित्सकों की कमी दूर होगी और नागरिकों को घर के पास चिकित्सा सुविधा मिलेंगी। हर जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना नये युग की शुरुआत की तरह है।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन। फोटो: हरिभूमि

आचार्य महाप्रज्ञ की 107वीं जयंती पर आध्यात्मिकता का संगम

- अप्रतिम मेधा के धनी और करोड़ों के कल्याणक थे महाप्रज्ञ : सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 10वें अधिशास्ता, युगप्रधान आचार्य महाप्रज्ञ के 107वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में एक भव्य और आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिवानी के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों और तेरापंथ समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्य प्रवर के चित्र के समक्ष भावभीनी विनयांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन, मानवता के कल्याण में उनके योगदान और भिवानी से जुड़ी उनकी यादों को सांझा किया। वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र जैन ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ अप्रतिम मेधा और अद्वितीय प्रज्ञा के धनी थे।

उन्होंने मात्र 11 वर्ष की अल्पायु में संयम पथ (दीक्षा) स्वीकार कर लिया था। उनकी अद्वितीय योग्यता को देखते हुए नवमे अधिशास्ता आचार्य तुलसी ने उन्हें पहले अपना युवाचार्य मनोनीत किया और बाद में आचार्य पद पर आसीन किया। आचार्य महाप्रज्ञ ने अपने कुशल नेतृत्व से तेरापंथ धर्मसंघ को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

उन्होंने जीवन विज्ञान, प्रेक्षा ध्यान और अणुव्रत की त्रिवेणी का पोषण कर विश्व के करोड़ों लोगों का कल्याण किया और उन्हें जीने की सही राह दिखाई। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ के अवदानों पर आधारित एक सुमधुर प्रेरणादायी गीतिका के गायन के साथ हुआ। प्रेक्षा वाहिनी की संयोजिका मंजू जैन ने सुमधुर प्रेक्षा गीत की प्रस्तुति दी।

वैभव पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम का संयोजन कर रहे रमेश बंसल ने आचार्य श्री के आध्यात्मिक वैभव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाप्रज्ञ एक साधारण संत नहीं, बल्कि अनेक सिद्धियों के स्वामी, महान लेखक और युगद्रष्टा समाज सुधारक थे। भिवानीवासियों का यह परम सौभाग्य है कि हमें साल 2006 में उनके ऐतिहासिक चातुर्मास काल के दौरान साक्षात दर्शन, सानिध्य और मंगल प्रवचनों का लाभ उठाने का अवसर मिला। उनके विचार आज भी भिवानी के जनमानस में रचे-बसे हैं।

एसआईआर में फॉर्म जमा कराने का आज अंतिम मौका

बाढड़ा। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के तहत आज फॉर्म आनलाईन कराने का अंतिम दिन है। ऐसे सभी मतदाता जिन्होंने अभी तक अपना फॉर्म संबंधित बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ के पास जमा नहीं कराया है उनके लिए आज अंतिम अवसर है। निर्वाचन विभाग ने पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय के भीतर अपने आवश्यक दस्तावेजों सहित फॉर्म जमा कराकर मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करें। बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। शेष मतदाताओं से भी बीएलओ लगातार संपर्क कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म एकत्रित करने और आवश्यक जानकारी सत्यापित करने का कार्य कर रहे हैं। इस अभियान के दौरान सबसे बड़ी चुनौती उन महिलाओं के मामलों में सामने आई है, जिनका विवाह अन्य राज्यों से हरियाणा में हुआ है। ऐसी कई महिलाओं के पास अपने मायके क्षेत्र में हुई पिछली एसआईआर अथवा मतदाता पंजीकरण से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

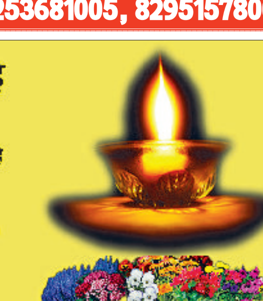

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कानून-व्यवस्था पर जनता का विश्वास खत्म : वत्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

54 फुटा रोड स्थित संस्कृति सदन में रविवार को स्व. भरत तिवारी की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक और छात्र संगठनों के प्रतिनिधि पहुंचे। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए बादली विधायक कुलदीप वत्स और लोहारू विधायक राजबीर फरटिया ने मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। कहा, कानून-व्यवस्था पर जनता का विश्वास खत्म हो गया है। पीड़ित परिवार को केवल सांत्वना नहीं, बल्कि न्याय चाहिए।

युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन के सानिध्य में रोजाना पुण्य कर्मों के बीज बोना थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से हेल्थ कोच दीपिका अरोड़ा अपनी टीम के साथ उपस्थित रही, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ती हुई बीमारियों पर अंकुश लगाने के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। युवा पीढ़ी फास्ट फूड की तरफ बढ़ रही है, जो मीठा जहर है, फास्ट फूड धीरे-धीरे हमारे शरीर को अंदर से खोखला कर रहा है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने कहा कि तन और मन दोनों का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

धरने में पहुंचे प्रदीप नरवाल

- सुंदर ब्रांच में पानी को लेकर धरना, ग्रामीणों की मांग जायज, सरकार पूरी करे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानी खेड़ा

क्षेत्र के गांव जमालपुर में सुंदर नहर में 15 दिन पानी व पूरा पानी चलवाने के लिये धरना 16वां दिन है। धरने की अध्यक्षता संयुक्त रूप से बाली राम गोयत कूंगड व प्रहलाद यादव जमालपुर ने की। धरने को उस समय ताकत मिली जब गांव जमालपुर में सुंदर नहर में 15 दिन पानी व पूरा पानी चलवाने के लिये धरना 16वां दिन राज्यसभा सांसद कर्मबीर बौद्ध पहुंचे और किसानों की पानी की मांग का समर्थन करते हुए कहा हम राज्य सरकार इस कमजोरी को राज्यसभा उठायेंगे और सरकार से कहेंगे कि पानी की मांग लोगों की जायज मांग है और इसका समाधान जल्द से जल्द किया जाये। आज के धरने ए आई सी सी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल भी अपनी टीम के साथ पहुंचे और समर्थन दिया। राजेश सिंधु एडवोकेट, हरिकेश पूर्व सरपंच जमालपुर, महाबीर मुहजादपुर, अशोक मलिक आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। नहरी पानी की मांग को लेकर आयोजित धरने को संबोधित करते एक वक्ता।

स्वच्छ पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं

हरियाणा की सरकार कितनी बेशर्म है जो लोगों को स्वच्छ पीने का पानी भी उपलब्ध नही करा सकती है सरकार बिलकुल नाराज है और सुंदर नहर में पूरा पानी नही दिया तो इलाके की जनता को साथ लेकर बहुत बड़ा आंदोलन करेंगें।

कार्रवाई वर्षों से उठ रही कार्रवाई की मांग, कंडम स्कूल वाहनों पर भी विभाग की नजर

अवैध निजी स्कूलों पर कसेगा शिकंजा, शिक्षा विभाग शुरू करेगा विशेष जांच अभियान

- बिना मान्यता चल रहे विद्यालयों पर कार्रवाई की तैयारी, संचालकों में बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

क्षेत्र में संचालित अवैध निजी विद्यालयों के खिलाफ शिक्षा विभाग जल्द ही विशेष जांच अभियान शुरू कर सकता है। लंबे समय से बिना मान्यता अथवा नियमों के विपरीत संचालित हो रहे निजी विद्यालयों पर कार्रवाई की मांग उठती रही है। ऐसे में विभाग द्वारा जांच की तैयारी किए जाने की चर्चाओं ने निजी विद्यालय संचालकों की चिंता बढ़ा दी है। वहीं शिकायतकर्ताओं द्वारा भी मामला समाचार में प्रकाशित होने पश्चात उन्हें भी न्याय की उम्मीद लगने लगी है। एक विद्यालय की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है जल्द अन्य अवैध रूप से चले रहे निजी विद्यालय को निर्धारित मान्यता से अधिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाते हैं या दाखिला दिखाकर बैकडोर से एसएलसी देते हैं उन पर भी विशेष नजर रखी जा रही है।

छात्रों की सुरक्षा प्राथमिकता

इस बारे में खंड शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र सिंह का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा और आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी वहीं उन्होंने बताया कि विभाग सख्त है और हर विद्यालय के रिकॉर्ड पर गहनता से नजर रखी जाएगी।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, एक निजी विद्यालय को लेकर दो पक्षों के बीच अधिकार को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि मामले में एक पक्ष संबंधित अधिकारी से मुलाकात कर शिकायत कर सकता है और इस मामले को कागजों को लेकर विभाग के उच्चाधिकारियों को शिकायत कर सकता है। खंड अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि यदि शिकायत प्राप्त होती है या जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो मामले की तह तक जाकर जांच की जाएगी। विद्यालयों की मान्यता, आवश्यक दस्तावेजों और नियमों के अनुपालन की बारीकी से पड़ताल की जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग की नजर विद्यालयों में बच्चों को लाने-ले जाने में उपयोग किए जा रहे कंडम एवं नियमों के विपरीत संचालित वाहनों पर भी है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान स्कूल वाहनों की फिटनेस, आवश्यक सुरक्षा मानकों और वैध दस्तावेजों की भी जांच की जा सकती है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विद्यालयों और वाहन संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

आर्य समाज ने चलाया कीटनाशक छिड़काव अभियान

बाढड़ा। कस्बे में बढ़ते मच्छरों और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से आर्य समाज बाढड़ा की ओर से रविवार को विशेष कीटनाशक छिडक़ाव अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व बुजुर्ग खिलाडी एवं समाजसेवी रामकिशन शर्मा ने किया। इस दौरान सुधीर आर्य, राहुल आर्य, सुनील आर्य, लवीश शर्मा, मुनेश, योगेश आर्य, तुषार आर्य सहित आर्य समाज बाढड़ा की टीम ने कस्बे की गलियों, बाजार, सरकारी कार्यालयों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर कीटनाशक का छिडक़ाव किया। टीम ने उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी, जहां जलभराव और मच्छरों का प्रकोप अधिक देखा जा रहा है।